आर. मीनाक्षी सुन्दरम, आई.ए.एस
सचिव/महानिदेशक, विद्यालयी शिक्षा

महानिदेशालय विद्यालयी शिक्षा उत्तराखण्ड
ननूरखेड़ा, तपोवन मार्ग,देहरादून
दूरभाष नम्बर: 0135–2780483 फैक्स–2780140
E-Mail: dgeduuk@gmail.com

गणतन्त्र दिवस के अवसर पर शुभ कामना संदेश।

प्रदेश के समस्त छात्र/छात्राओं, शिक्षकों, शिक्षणेतर कर्मियों/शिक्षा अधिकारियों एवं समस्त अभिभावकों को 72वें गणतन्त्र दिवस की हार्दिक शुभ कामनाएं। आप सभी भली भांति अवगत हैं कि सदियों की गुलामी के उपरांत हमारा देश 15 अगस्त, 1947 को आजाद हुआ। देश में सशक्त लोकतंत्र की स्थापना की व्यवस्था बनाए जाने हेतु संविधान सभा द्वारा 26 नवम्बर, 1949 को लोकतांत्रिक गणराज्य के रूप में संविधान का स्वरूप अंगीकार किया गया तथा आज ही के दिन 26 जनवरी, 1950 को देश का संविधान लागू किया गया। यद्यपि हमारा देश 15 अगस्त, 1947 को स्वतंत्र हो गया था तथापि वास्तविक संवैधानिक आजादी का मार्ग 26 जनवरी, 1950 को प्रशस्त हुआ।

प्रत्येक वर्ष गणतंत्र दिवस के इस पावन पर्व पर प्रत्येक भारतीय के मन में देशभक्ति की लहर और मातृभूमि के प्रति अपार स्नेह भर उठता है। यह आयोजन हमें देश के उन सभी ज्ञात–अज्ञात शहीदों के निःस्वार्थ बलिदान की याद दिलाता है, जिन्होंने आजादी के सघर्ष में अपना सर्वस्व न्यौछावर कर दिया था। यह दिवस देश के सभी नागरिकों के लिए स्वतंत्रता, समरसता एवं भाइचारे के आदर्शों के प्रति अपनी आस्था को प्रदर्शित करने का भी एक अवसर है।

भारतीय संविधान के अनुसार हमारे देश में संपूर्ण प्रभुत्व सम्पन्न लोकतांत्रिक गणराज्य के साथ संसदीय व्यवस्था का स्वरूप स्थापित किया गया है, जिसके अनुसार राष्ट्र का प्रमुख अर्थात् भारत के राष्ट्रपति जनता द्वारा अप्रत्यक्ष रूप से पांच वर्षो की निश्चित समयावधि हेतु निर्वाचित किए जाते हैं। भारतीय संविधान द्वारा जनता के निर्वाचित प्रतिनिधियों को विधान मण्डल/संसद में कानून बनाने का दायित्व दिया गया है तथा न्याय व्यवस्था के सुचारू संचालन हेतु सर्वोच्च न्यायालय, उच्च न्यायालय तथा अधीनस्थ न्यायालयों का गठन किया गया है। हमारा संविधान एक मजबूत एवं सशक्त गणराज्य की आधारशिला है। यह एक दूरदर्शी एवं जीवंत दस्तावेज है। मेरा समस्त संस्थाध्यक्षों एवं अध्यापकों से अनुरोध है कि छात्रों को भारतीय संविधान की मूल आत्मा प्रस्तावना, विशेषताओं एवं महत्वपूर्ण प्राविधानों के सम्बन्ध में समुचित एवं यथेष्ट जानकारी दी जाय। अनेक महत्वपूर्ण स्मृतियां है, जो इस दिन के साथ जुड़ी हैं, उन सभी स्मृतियों को इस पावन पर्व पर छात्रों के साथ साझा किया जाय। सम्प्रति वैश्विक महामारी कोविड–19 के कारण अभी तक प्रदेश के शिक्षण संस्थाओं में शैक्षिक गतिविधियां पूर्ण रूप से

संचालित नहीं हो पा रही है तथापि कक्षा–10 एवं कक्षा–12 में अध्ययनरत् छात्र–छात्राओं का भौतिक रूप से पठन–पाठन प्रारम्भ किया गया है तथा शीघ्र ही प्राथमिक विद्यालयों को छोड़कर अन्य कक्षाओं को भी प्रारम्भ किए जाने की योजना है। हम सभी का यह सामूहिक प्रयास होना चाहिए कि कम समयावधि में भी छात्रों को अधिकाधिक शैक्षिक अनुसमर्थन प्राप्त हो सके एवं जिन छात्रों के लिए अभी विद्यालय का संचालन प्रारम्भ नहीं किया जा सका है, उन छात्रों को विगत माहों की भांति ऑन–लाइन शिक्षण/वर्क शीट की सुविधा निरंतर उपलब्ध होती रहे।

यह हम सभी के लिए गर्व का विषय है कि आत्मनिर्भरता की ओर निरंतर अग्रसर भारत ने कोविड–19 के संक्रमण के प्रभाव को समाप्त करने के लिए स्वदेशी वैक्सीनों का निर्माण कर लिया है तथा वैक्सिनेशन की प्रक्रिया भी प्रारम्भ हो गई है। हम आशान्वित हैं कि शीघ्र ही इस वैश्विक महामारी से मुक्त होगें और सभी गतिविधियां सामान्य रूप से संचालित होनी प्रारम्भ हो जाएगीं।

"राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 2020" हमारी शिक्षा नीति में गुणात्मक सुधार का एक महत्वपूर्ण दस्तावेज है। इस नीति की परिकल्पना है कि हमारे संस्थानों की पाठ्यचर्या और शिक्षाविधि छात्रों में अपने मौलिक दायित्वों और संवैधानिक मूल्यों, देश के साथ जुड़ाव और बदलते विश्व में नागरिक की भूमिका और उत्तरदायित्वों की जागरूकता उत्पन्न करे। सार्वजनिक शिक्षा प्रणाली एक जीवंत लोकतान्त्रिक समाज का आधार है। आज का बच्चा देश का भावी नागरिक है। इसे दृष्टिगत रखते हुए विद्यालयी शिक्षा के अन्तर्गत समस्त छात्र–छात्राओं को संविधान प्रदत्त मूल अधिकारों एवं कर्तव्यों, संवैधानिक मूल्यों, सर्वधर्म समभाव एवं निरंतर बदलते वैश्विक परिदृश्य में छात्र–छात्राओं को दायित्वबोध के प्रति जागरूक करना नितांत आवश्यक है।

मेरा अन्य शैक्षिक अभिकर्मियों एवं अधिकारियों से भी अनुरोध है कि विद्यालय की समस्याओं एवं शिक्षकों के सेवा सम्बन्धी प्रकरणों का समयान्तर्गत त्वरित एवं संतोषजनक निस्तारण किया जाय। अन्त में मेरा सभी प्रधानाचार्यो शिक्षकों एवं अभिभावकों से अनुरोध है कि देश एवं प्रदेश के उत्तम भविष्य के लिएं गुणवत्तायुक्त शिक्षा प्रदान करने के लिए अपना–अपना अभीष्ट योगदान प्रदान करें। एक बार पुनः सभी छात्र/छात्राओं, शिक्षकों, शैक्षणिक अभिकर्मियों प्रधानाचार्यो, अभिभावकों एवं अधिकारियों को गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभ कामनाएं।

(आर.मीनाक्षी सुन्दरम)
महानिदेशक/सचिव,
विद्यालयी शिक्षा, उत्तराखण्ड।